University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

M.A.

RAJASTHANI LANGUAGE, LITERATURE AND CULTURE

(Semester Scheme)

I/II Sem. - 2015-2016
III/ IV Sem. - 2016-2017

by. — 12/08/15

Checked by

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

SYLLABUS
M.A. RAJASTHANI LANGUAGE, LITERATURE AND CULTURE

2. **Eligibility:**
A candidate who has secured more than 50% or CGPA of 3.0 in the UGC Seven Point scale [45% or CGPA 2.5 in the UGC Seven Point Scale for SC/ST/Non-creamy layer OBC] or equivalent in the Bachelor degree in any stream.

As per University Prospectus

21/9/2017

3. **Scheme of Examination:**
Specified with each paper separately.

4. Course Structure:
The details of the courses with code, title and the credits assign are as given below.
Abbreviations Used

Course Category
CCC: Compulsory Core Course
ECC: Elective Core Course
OEC: Open Elective Course
SC: Supportive Course
SSC: Self Study Core Course
SEM: Seminar
PRJ: Project Work
RP: Research Publication

Contact Hours
L: Lecture
T: Tutorial
P: Practical or Other
S: Self Study

Relative Weights
IA: Internal Assessment (Attendance/Classroom Participation/Quiz/Home Assignment etc.)
ST: Sessional Test
EoSE: End of Semester Examination

The medium of instruction and examination will be Rajasthani or Hindi or English.

First Semester

S. No.	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit	Contact Hours Per week			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P	Thy	P
1.	RAJ	राजस्थानी भाषा	CCC	9	6	3	0	3	0

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

	101	(RAJASTHANI LANGUAGE)							
2.	RAJ 102	राजस्थानी साहित्य का इतिहास (HISTORY OF RAJASTHANI LITERATURE)	CCC	9	6	3	0	3	0
3.	RAJ 103	प्राचीन राजस्थान (आरंभ से 1200 ईस्वी तक) (ANCIENT RAJASTHAN - From Earliest times to 1200 A.D.)	CCC	9	6	3	0	3	0
4.	RAJ 104	राजस्थान की स्थापत्य कला (ARCHITECTURE OF RAJASTHAN)	CCC	9	6	3	0	3	0

Second Semester

S. No.	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit	Contact Hours Per week			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P	Thy	P
1.	RAJ 201	राजस्थानी लोक साहित्य (FOLK LITERATURE OF RAJASTHAN)	CCC	9	6	3	0	3	0
2.	RAJ 202	साहित्य शास्त्र (LITERARAY POETICS)	CCC	9	6	3	0	3	0
3.	RAJ 203	मध्यकालीन राजस्थान (1200–1761 ईस्वी) (MEDIEVAL RAJASTHAN – 1200-1761 A.D.)	CCC	9	6	3	0	3	0
4.	RAJ 204	राजस्थानी चित्रकला एवं मूर्तिकला (PAINTINGS & SCULPTURES OF RAJASTHAN)	CCC	9	6	3	0	3	0

Third Semester

S. No.	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit	Contact Hours Per week			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P	Thy	P
1.	RAJ 301	आधुनिक राजस्थानी काव्य (MODERN RAJASTHANI POETRY)	CCC	8	6	2	0	3	0

2.	RAJ 302	आधुनिक राजस्थानी गद्य (MODERN RAJASTHANI PROSE)	CCC	**8**	6	2	0	3	0
3.	RAJ 303	विशिष्ट रचनाकार का अध्ययन (A STUDY OF SELECT AUTHOR)	CCC	**8**	6	2	0	3	0
4.	RAJ 304	आधुनिक राजस्थान (1761–1956 ईस्वी) (MODERN RAJASTHAN 1761-1956 A.D.)	CCC	**8**	6	2	0	3	0
5.	RAJ 305	राजस्थान के धार्मिक विश्वास एवं परंपराएँ (RELIGIOUS BELIEFS AND TRADITIONS OF RAJASTHAN)	CCC	**8**	6	2	0	3	0

Fourth Semester

S. No.	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit	Contact Hours Per week			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P	Thy	P
1.	RAJ 401	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (ANCIENT AND MEDIEVAL POETRY)	CCC	**8**	6	2	0	3	0
2.	RAJ 402	प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य (ANCIENT AND MEDIEVAL PROSE)	CCC	**8**	6	2	0	3	0
3.	RAJ 403	राजस्थान की लोक परंपराएँ एवं संस्कृति (FOLK TRADITIONS AND CULTURE OF RAJASTHAN)	CCC	**8**	6	2	0	3	0
4.	RAJ 404	राजस्थान में सांस्कृतिक पर्यटन (CULTURAL TOURISM IN RAJASTHAN)	CCC	**8**	6	2	0	3	0
5.	RAJ 405	समसामायिक राजस्थान (1956–2010 ईस्वी) (CONTEMPORARY RAJASTHAN 1956-2010 A.D.)	CCC	**8**	6	2	0	3	0

21/9/2011

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

RAJ 101: राजस्थानी भाषा

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

भाषा की परिभाषा, भाषा के विविध रूप (मानक भाषा, बोली उपबोली आदि), लिपि और भाषा का सम्बन्ध, नागरी लिपि, मुडिया लिपि।

इकाई – द्वितीय

राजस्थानी भाषा : उद्‌भव एवं विकास, डिंगल–पिंगल की सामान्य विशेषताएं।

इकाई – तृतीय

राजस्थानी भाषा की बोलियां–उपबोलियां, राजस्थानी का क्षेत्र, राजस्थानी की व्याकरणिक विशेषताएं।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. प्रो. रामाश्रय मिश्र एवं डॉ. नरेश मिश्र : भाषा और भाषा विज्ञान, उन्मेश प्रकाशन, करनाल, हरियाणा।
2. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।
3. डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : राजस्थानी भाषा, साहित्य संस्थान, उदयपुर।
4. एल. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी
5. जार्ज ए. ग्रियसैन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा सर्वेक्षण, राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
6. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास।
7. नरोमतदास स्वामी : राजस्थानी भाषा – एक परिचय।
8. सीताराम लालस (सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड), राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
9. महावीर प्रसाद शर्मा : मेवाती का उद्‌भव और विकास

RAJ 102: राजस्थानी साहित्य का इतिहास

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थानी साहित्य का आदिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, प्रमुख रचनाएं तथा रचनाकार।

इकाई – द्वितीय

राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल : प्रमुख प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, गद्य रूप, प्रमुख रचनाएं तथा रचनाकार।

21/9/2011

Asstt. Registrar (Acad.-II)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई – तृतीय

राजस्थानी साहित्य का आधुनिक काल : प्रमुख प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, गद्य रूप, प्रमुख रचनाएं तथा रचनाकार।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. एल. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी
2. जार्ज ए. ग्रियसैन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा सर्वेक्षण, राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
3. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास।
4. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी भाषा और साहित्य।
5. नरोमतदास स्वामी : राजस्थानी भाषा – एक परिचय।
6. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी साहित्य की रूपरेखा।
7. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थान का पिंगल साहित्य।
8. सीताराम लालस (सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड) राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
9. डॉ. गोवर्द्धन शर्मा : डिंगल साहित्य
10. डॉ हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल।
11. डॉ. हीरालाल माहेश्वरी : राजस्थानी भाषा और साहित्य, कलकत्ता।
12. डॉ. हीरालाल माहेश्वरी : हिस्ट्री ऑफ राजस्थानी लिटरेचर, दिल्ली।
13. डॉ. अगरचन्द नाहटा : राजस्थानी साहित्य की गौरवपूर्ण परम्परा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

RAJ 103: प्राचीन राजस्थान (आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान की भौगोलिक विशेषताएँ। प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ – पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण काल। ताम्रपाषाणिक एवं ताम्रयुगीन सभ्यताएँ (आहाड़, गणेश्वर)। वैदिक सरस्वती नदी, कालीबंगा।

इकाई – द्वितीय

मत्स्य जनपद। राजस्थान की गणतांत्रिक जातियाँ, मालवों के विशेष संदर्भ में। राजपूतों की उत्पत्ति।

इकाई – तृतीय

गुर्जर–प्रतिहारों का उदय एवं विस्तार। चाहमान साम्राज्य। राजस्थान का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन (ईस्वी 700 से 1200)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का इतिहास, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

3. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान के इतिहास के स्रोत, भाग 1, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. विशुद्धानन्द पाठक : उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
5. डी.सी. शुक्ला : अर्ली हिस्ट्री ऑफ राजस्थान, दिल्ली, 1978.
6. दशरथ शर्मा : राजस्थान थ्रू दि एजेज, भाग 1, बीकानेर, 1966.

RAJ 104: राजस्थान की स्थापत्य कला

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

मंदिर स्थापत्य : ओसियां, देलवाड़ा, रणकपुर, आम्बेर (जगत शिरोमणि)। राजप्रासाद स्थापत्यः मेहरानगढ़, डीग।

इकाई – द्वितीय

दुर्ग स्थापत्य : चित्तौड़, रणथभौर, कुभलगढ़, जालौर। हवेली स्थापत्य : जैसलमेर, शेखावाटी।

इकाई – तृतीय

छतरियाँ (मंडोर, गेटोर), मकबरे। बांध (राजसमंद)। सरोवरों एवं बावडियों का स्थापत्य। मस्जिदों का स्थापत्य। नगर–योजना एवं गृह–स्थापत्य (जयपुर)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
2. जयसिंह नीरज एवं भगवती लाल शर्मा (सं.) : राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. राघवेन्द्र सिंह मनोहर : राजस्थान के प्रमुख दुर्ग, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. वाई.डी. सिंह : राजस्थान के कुएँ एवं बावड़ियाँ।

RAJ 201: राजस्थानी लोक साहित्य

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

लोक साहित्य : सामान्य सिद्धान्त, परिभाषा, अर्थ, लोक–तत्व, लोक मानस की अवधारणा, लोक साहित्य का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई – द्वितीय

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

राजस्थानी लोकगीत एवं राजस्थानी लोककथाएँ: अर्थ, परिभाषा, वर्गीकरण, प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई – तृतीय

राजस्थानी लोकनाट्य : अर्थ, परिभाषा, वर्गीकरण, प्रमुख विशेषताएँ, राजस्थानी लोकोक्ति एवं मुहावरे।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. सोहनदान चारण : राजस्थानी लोक साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन
2. डॉ. महेन्द्र भानावत : लोकरंग
3. डॉ. महेन्द्र भानावत : राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियां
4. डॉ. सत्येन्द्र : लोक साहित्य विज्ञान
5. डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय : लोक साहित्य की भूमिका
6. श्याम परमार : भारतीय लोक वांङ्गमय
7. श्याम परमार : लोकधर्मी नाट्य परम्परा
8. वासुदेव शरण अग्रवाल : लोक धर्म
9. मन्मथनाथ गुप्त : लोकोत्सव
10. श्री कृष्णदास : लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
11. झवेरचन्द मेघानी : लोक साहित्य (व्याख्यान)
12. सूर्यकरण पारीक : राजस्थानी लोक गीत
13. नानूराम संस्कर्ता : राजस्थान का लोक–साहित्य
14. डॉ कृष्णकुमार शर्मा : राजस्थानी लोकभाषाओं के कुछ रूढ तत्व
15. लक्ष्मीलाल जोशी : मेवाड़ की कहावतें
16. डॉ. कन्हैयालाल सहल : राजस्थानी कहावतें – एक अध्ययन
17. चन्द्रदान चारण : गोगाजी चोहान की राजस्थानी गाथा
18. डॉ. मनोहर शर्मा : राजस्थानी साहित्य और संस्कृति
19. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा : मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
20. लक्ष्मीकुमारी चूंडावत (सम्पा.) : बगड़ावत देवनारायण गाथा
21. भागीरथ कानोडिया तथा गोविन्द अग्रवाल : राजस्थानी कहावत कोष

RAJ 202: साहित्य शास्त्र

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

साहित्य की परिभाषा, भेद, साहित्य के तत्व, काव्य की मूल प्रेरणा।

इकाई – द्वितीय

भारतीय काव्यशास्त्र : रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सम्प्रदाय।

इकाई – तृतीय

राजस्थानी काव्यशास्त्र : राजस्थानी छन्दशास्त्र की सामान्य विशेषताएं, प्रमुख छन्द, प्रमुख अलंकार, काव्य–दोष; पाठालोचन की परिभाषा, स्वरूप एवं सिद्धान्त।

सन्दर्भ ग्रंथ :

21/9/2011

Asstt. Registrar
University of Rajasthan
JAIPUR

1. रामचन्द्र शुक्ल : रस मीमांसा
2. बलदेव उपध्याय : भारतीय साहित्यशास्त्र
3. डॉ. रामप्रकाश : समीक्षा–सिद्धान्त, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
4. डॉ. ओमानन्द सारस्वत : दोहा–शब्द और व्याप्ति, चिन्ता प्रकाशन, पिलानी
5. डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी : साहित्य के प्रमुख सिद्धान्त
6. डॉ. नगेन्द्र : रस सिद्धान्त
7. डॉ. भोलाशंकर व्यास : ध्वनि सम्प्रदाय और उसके सिद्धान्त, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
8. डॉ. सत्येन्द्र : पांडुलिपि विज्ञान, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

RAJ 203: मध्यकालीन राजस्थान (1200–1761 ईस्वी)

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

तेरहवी शताब्दी की राजनीतिक स्थितियाँ। तुर्क शासन की स्थापना एवं प्रतिरोध (मेवाड़, रणथंभौर, चित्तौड़, जालोर)। राजस्थान का उत्कर्ष काल – महाराणा कुंभा एवं सांगा।

इकाई – द्वितीय

मुगल–राजपूत सम्बन्ध (प्रतिरोध एवं सहयोग)। मेवाड़ का स्वातंत्र्य संघर्ष (महाराणा प्रताप)। मुगल आधिपत्य काल में राजपूत शासकों की उपलब्धियाँ (मारवाड़ आम्बेर, हाड़ौती)। मुगल साम्राज्य की शिथिलता एवं राजपूत राज्यों का मुगल प्रभाव से मुक्त होना।

इकाई – तृतीय

राजपूताना में मराठों के आक्रमण। सवाई जयसिंह की मराठा नीति। राजपूत कालीन प्रशासन, जागीरदारी एवं सामंत प्रथा। आर्थिक जीवन–कृषि, व्यापार–वाणिज्य। सामाजिक जीवन–स्त्रियों की स्थिति। शिक्षा की स्थिति।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का इतिहास, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
2. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा: राजपूताने का इतिहास (सभी खण्ड, सम्बद्ध अंश)
3. हरबिलास शारदा : महाराणा कुंभा।
4. वीरेन्द्र स्वरूप भटनागर : सवाई जयसिंह, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
5. गोपीनाथ शर्मा : सोश्यल लाईफ इन मेडिवल राजस्थान, जोधपुर।
6. आर.पी. व्यास : महाराणा प्रताप, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

26/9/2011
Asstt. Registrar
University of Rajasthan
JAIPUR

RAJ 204: राजस्थानी चित्रकला एवं मूर्तिकला

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान में प्राचीन शैल चित्रकला। राजस्थानी चित्रकला शैलियों का उद्‌भव एवं विशेषताएं – मेवाड़, मारवाड़, हाड़ौती एवं ढूंढाड़ की शैलियों एवं उपशैलियों का विकास।

इकाई – द्वितीय

लघु चित्र। सचित्र जैन पांडुलिपियाँ। व्यक्तिचित्र। शेखावाटी भित्ति चित्र। मांडना।

इकाई – तृतीय

राजस्थान की प्राचीन मूर्तिकला। मध्यकाल एवं आधुनिक काल में राजस्थान में मूर्तिकला का विकास। टेराकोटा–मृण्मूर्तियाँ। काष्ठ कला।

संदर्भ ग्रंथ :

1. जयसिंह नीरज : राजस्थानी चित्रकला, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. नीलिमा वशिष्ठ : राजस्थान की मूर्तिकला परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. रीता प्रताप : भारतीय चित्र कला एवं मूर्तिकला का इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. धर्मवीर वशिष्ठ : मारवाड़ की चित्रांकन परम्परा एवं चित्रकार, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
5. वन्दना जोशी : नाथद्वारा चित्र शैली, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
6. त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (सं.) : राजस्थान वैभव, भारतीय संस्कृति एवं संवर्धन परिषद्, नई दिल्ली।

RAJ 301: आधुनिक राजस्थानी काव्य

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इस प्रश्नपत्र के 6 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्नों में दो प्रश्न व्याख्यापरक (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तकों से कुल दो व्याख्याएँ) होंगे।

इकाई – प्रथम

वीर सतसई – सूर्यमल मिश्रण

इकाई – द्वितीय

लू – चन्द्रसिंह

इकाई – तृतीय

Assistant Registrar (Acad.-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

लीलटांस – कन्हैयालाल सेठिया

पाठ्य पुस्तकें :

1. पतराम गौड़, ईश्वरदान आशिया व डॉ. कन्हैयालाल सहल (सम्पादक) : वीर सतसई (सूर्यमल्ल मिश्रण), बंगाल हिन्दी मण्डल, कलकत्ता
2. चन्द्रसिंह : लू, चाँद जलेरी प्रकाशन, जयपुर
3. कन्हैयालाल सेठिया : लीलटांस, प्रकाशक – स्व. मुरलीधर सराफ स्मृति ग्रंथ माला, कलकत्ता

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण स्मृति अंक, सूर्यमल्ल स्मारक समिति, बूंदी परम्परा (त्रै–मासिक पत्रिका), सूर्यमल्ल मिश्रण विशेषांक तथा 'हेमाणी' अंक राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
2. शम्भुसिंह मनोहर : वीर सतसई (सम्पादक), स्टुडेन्ट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर

RAJ 302 : आधुनिक राजस्थानी गद्य

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इस प्रश्नपत्र के 6 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्नों में दो प्रश्न व्याख्यापरक (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तकों से कुल दो व्याख्याएँ) होंगे।

इकाई – प्रथम

मेवे रा रूंख – अन्नाराम सुदामा

इकाई – द्वितीय

अलेखूं हिटलर – विजयदान देथा

इकाई – तृतीय

तास रौ घर – यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'

उपरोक्त पाठ्य पुस्तकों से दो प्रश्न निबन्धात्मक शब्द सीमा लगभग 1000 शब्द एवं एक प्रश्न व्याख्यापरक (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तकों से कुल दो व्याख्याएं) अंक) होगा। सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प देय होगा।

चौथा प्रश्न लघुतरात्मक (शब्द सीमा लगभग 100 शब्द) होगा, जिसमें 4 प्रश्न पूछे जायेंगे। पंचम प्रश्न अतिलघुतरात्मक (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) होगा, जिसमें 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। चौथे एवं पांचवे प्रश्न में विकल्प – सुविधा नहीं होगी।

पाठ्य पुस्तकें :

1. अन्नाराम सुदामा : मेवे रा रूंख (उपन्यास), धरती प्रकाशन, बीकानेर
2. विजयदान देथा : अलेखूं हिटलर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' : तास रो घर, प्रकाशक राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर

Asstt. Registrar
University of Rajasthan
JAIPUR

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. किरण नाहटा : आधुनिक राजस्थानी साहित्य, चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
2. अगरचन्द नाहटा : राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. राजस्थानी साहित्य की समीक्षा – 'जागती जोत' पत्रिका, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर

RAJ 303 : विशिष्ट रचनाकार का अध्ययन

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इस प्रश्नपत्र में किसी एक साहित्यकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का मूल्यांकन किया जायेगा।

विशिष्ट रचनाकार :

1. बांकीदास
2. उमरदान लालस
3. पृथ्वीराज राठौड़
4. मुंहता नैणसी
5. गणेसीलाल व्यास 'उस्ताद'

संदर्भ ग्रन्थ :

1. नरोत्तमदास स्वामी (सं.) : पृथ्वीराज राठौड़ कृत, 'वेलि क्रिसन रूकमणी री', श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा।
2. नैणसी री ख्यात : नागरी प्रचारिणी सभा (2 खण्डों में); राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (3 खण्डों में)
3. बांकीदास री ख्यात : राजस्थान पुरातत्व मंदिर, जयपुर।
4. रावत सारस्वत : पृथ्वीराज राठौड़, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
5. ब्रजमोहन जावलिया : मुंहता नैणसी, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

RAJ 304 : आधुनिक राजस्थान (1761–1956 ईस्वी)

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

21/9/2021

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

मराठा हस्तक्षेप। राजपूत राज्यों की अंग्रेजों से संधियाँ (1817–18) एवं उनका महत्व। ब्रिटिश नियंत्रण पद्धति का विकास। 1857 की क्रांति।

इकाई – द्वितीय

राजस्थान में ब्रिटिश नीति का विकास (1870–1924)। भूराजस्व व्यवस्थाएं एवं उनका कृषकों पर प्रभाव। मेवाड़ एवं शेखावाटी क्षेत्र के किसान आन्दोलन। अफीम एवं नमक के प्रति अंग्रेजों की नीति।

इकाई – तृतीय

सामाजिक परिवर्तन एवं सुधार। वाल्टर हितकारिणी सभा एवं आर्य समाज की भूमिका। राजस्थान के आधुनिक काल में स्त्रियों की स्थिति एवं भूमिका। राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम। प्रजामंडल आंदोलन। राजस्थान का एकीकरण।

संदर्भ ग्रंथ :

1. एम.एस. जैन : आधुनिक राजस्थान का इतिहास, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
2. रामप्रसाद व्यास : आधुनिक राजस्थान का वृहत् इतिहास, खण्ड 1 एवं खण्ड 2, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. बी.एल. पानगडिया : राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. विनीता परिहार : राजस्थान में प्रजामंडल आंदोलन, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
5 बृज किशोर शर्मा : राजस्थान में किसान एवं आदिवासी आंदोलन, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
6. के.एस. सक्सेना : राजस्थान में राजनैतिक जनजागरण, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

RAJ 305 : राजस्थान के धार्मिक विश्वास एवं परम्पराएँ

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान में शैव एवं वैष्णव सप्रंदायों का विकास। बौद्ध धर्म के अवशेष। जैन धर्म का विस्तार एवं प्रभाव। राजस्थान में अन्य संप्रदाय – नाथ संप्रदाय, शाक्त, सौर, लकुलीश।

इकाई – द्वितीय

भक्ति परम्परा। विभिन्न संत – मीरा, दादू, जांभोजी, चरणदास। अन्य संत संप्रदाय। इस्लाम धर्म। सूफी परम्परा। ईसाई धर्म।

इकाई – तृतीय

लोक देवी–देवता। लोक देवता – गोगाजी, तेजाजी, पाबूजी, देवनारायण जी, मल्लीनाथजी, रामदेवजी, हड़बुजी, मांगलिया मेहाजी। लोक देवियाँ – जमवाय माता, बाण माता, आवड़ माता, करणी माता, जीण माता, शीतला माता, आई माता आदि।

21/9/2011

Asstt. Registrar (Acad.-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

संदर्भ ग्रंथ :

1. दिनेश चन्द्र शुक्ल : राजस्थान की भक्ति परम्परा एवं संस्कृति।
2. डॉ. पेमाराम : मध्यकालीन राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, अर्चना प्रकाशन, अजमेर।
3. राम प्रसाद दाधीच : राजस्थान सन्त सम्प्रदाय।
4. हीरालाल माहेश्वरी : संत जाम्भोजी।
5. एस.एन. दुबे (सं.) : रिलिजियस मूवमेंट्स इन राजस्थान, राजस्थान अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
6. डी.सी. शुक्ला : सिपिरिच्युअल हेरिटेज ऑफ राजस्थान।
7. जी.एन. शर्मा : सोश्यल लाइफ इन मेडिवल राजस्थान।

RAJ 401: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इस प्रश्नपत्र के 6 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्नों में दो प्रश्न व्याख्यापरक (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तकों से कुल दो व्याख्याएँ) होंगे।

इकाई — प्रथम

ढोला मारू रा दूहा : सम्पादक – रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी।

इकाई – द्वितीय

मीरां : सम्पादक – शम्भुसिंह मनोहर।

इकाई – तृतीय

हालां झालां रा कुण्डलिया : सम्पादक – मोतीलाल मेनारिया।

पाठ्य पुस्तकें :

1. रामसिंह, सूर्यकरण पारीक और नरोतमदास स्वामी (सम्पा.) : ढोला मारू रा दूहा (केवल प्रथम 210 दोहे),
2. शम्भूसिंह मनोहर : मीरां
3. डॉ. मोतीलाल मेनारिया (सम्पा.) : हालां झालां रा कुण्डलियां, हितेषी पुस्तक भण्डार, उदयपुर

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. शान्ता भानावत : ढोला मारू रा दूहा का अर्थ और वैज्ञानिक अध्ययन, अनुपम प्रकाशन, जयपुर
2. डॉ. भगवतीलाल शर्मा : ढोला मारू रा दूहा में काव्य, संस्कृति और इतिहास
3. अगरचन्द नाहटा : प्राचीन काव्यों की रूप–परम्परा, भारतीय विद्या मन्दिर, शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
4. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी : मीरा का काव्य।

21/9/2011

RAJ 402 : प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इस प्रश्नपत्र के 6 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्नों में दो प्रश्न व्याख्यापरक (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तकों से कुल दो व्याख्याएँ) होंगे।

इकाई – प्रथम

कुंवरसी सांखलो : सम्पादक – डॉ. मनोहर शर्मा

इकाई – द्वितीय

अचलदास खीची री वचनिका : सम्पादक – भूपतिराम साकरिया

इकाई – तृतीय

राजस्थानी साहित्य संग्रह – भाग प्रथमः सम्पादक – नरोत्तमदास स्वामी

पाठ्य पुस्तकें :

1. डॉ. मनोहर शर्मा (सम्पा.) . कुंवरसी सांखलो, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. नरोतमदास स्वामी (सम्पा.) : राजस्थानी साहित्य संग्रह (भाग प्रथम), राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
3. भूपतिराम साकरिया (सम्पा.) : अचलदास खींची री वचनिका, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. पूनम दइया: राजस्थानी बात साहित्य, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
2. डॉ. शिव स्वरूप शर्मा 'अचल': राजस्थानी गद्य साहित्य : उद्भव और विकास
3. डॉ. मनोहर शर्मा : राजस्थानी बात साहित्य : एक अध्ययन
4. मुकुन्दनारायण पुरोहित : वचनिका अचलदास खींची री (अन्वेषण एवं मूल्यांकन), राजस्थान एज्यूकेशनल स्टोर, बीकानेर

RAJ 403: राजस्थान की लोक परम्पराएँ एवं संस्कृति

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान का लोक संगीत। लोक वाद्य। लोक गायन शैली – हेला ख्याल, कन्हैया, पदगायन, चारबैत, मांड गायन। लोक नृत्य।

इकाई – द्वितीय

राजस्थान की हस्तकलाएँ। स्थानीय उद्योग – वस्त्र उद्योग, रत्नाभूषण उद्योग। मारवाड़ी समाज एवं शेखावाटी अंचल की उद्यमिता।

Asstt. Registrar (Acad.-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई – तृतीय

वेशभूषा। आभूषण। उत्सव, त्यौहार एवं मेले।

संदर्भ ग्रंथ :

1. जयसिंह नीरज एवं भगवती लाल शर्मा (सं.) : राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
2. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
3. महेन्द्र सिंह नगर : राजस्थान के व्रत एवं उत्सव।
4. मंजुश्री क्षीरसागर : राजस्थान की संगीत परम्परा, महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाशन, जोधपुर।
5. रमेश बोराणा : राजस्थान के लोक वाद्य।
6. कमलेश माथुर : हस्तशिल्प कला के विविध आयाम, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
7. लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत : राजस्थान के सांस्कृतिक लोकगीत।
8. लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत एवं रमेश चन्द्र स्वर्णकार : राजस्थान के रीति–रिवाज, पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर।
9. प्रीतिप्रभा गोयल : राजस्थान के व्रत एवं त्यौहार।
10. रामप्रसाद दाधीच : लोक संस्कृति व अन्य निबन्ध।
11. डी.के. टकनेत: इंडस्ट्रियल एन्ट्रिप्रेन्युअरशिप ऑफ शेखावटी मारवाड़ीज, जयपुर।

RAJ 404: राजस्थान में सांस्कृतिक पर्यटन

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

सांस्कृतिक पर्यटन की अवधारणा एवं महत्त्व। राजस्थान में ऐतिहासिक–सांस्कृतिक पर्यटन – विराटनगर, भानगढ़, रणथम्भौर, हल्दीघाटी।

इकाई – द्वितीय

सांस्कृतिक केन्द्रों/संग्रहालयों की भूमिका – लोककला मंडल (उदयपुर), भट्टारकीय संग्रहालय (नागौर), जवाहर कला केन्द्र (जयपुर), अरबी–फारसी शोध संस्थान (टोंक)। ग्राम पर्यटन – अवधारणा एवं विकास।

इकाई – तृतीय

धार्मिक पर्यटन – पुष्कर, अजमेर दरगाह, सालासर,एकलिंगजी, नाथद्वारा, श्रीमहावीर जी, केसरियाजी, देशनोक, नाकोड़ा, तिजारा, करौली (केलादेवी), बेणेश्वर, सांवलियाजी, खाटूश्यामजी।

संदर्भ ग्रंथ :

1. राजेश कुमार व्यास : पर्यटन : उद्‌भव एवं विकास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. राजेश कुमार व्यास : सांस्कृतिक पर्यटन, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
3. शालिनी सक्सेना : राजस्थान के लोक तीर्थ, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
4. राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आर.टी.डी.सी.) द्वारा प्रकाशित पुस्तिकाएँ।

24/9/2011

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

RAJ 405: समसामयिक राजस्थान (1956–2010 ईस्वी)

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान में प्रथम विधानसभा के गठन से तेरहवीं विधानसभा तक की राजनीतिक गतिविधियों का मूल्यांकन। राजस्थान के वर्तमान राजनीतिक दल। वर्तमान सरकार की उपलब्धियाँ।

इकाई – द्वितीय

राजस्थान में सामाजिक उत्थान के प्रयास : बाल विवाह, कन्या वध, सती प्रथा आदि के विरूद्ध जागृति। प्रमुख एन.जी.ओ. एवं उनकी उपलब्धियाँ। राजस्थान में शैक्षिक विकास – विश्वविद्यालयों की स्थापना, स्वास्थ्य विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षण संस्थान, महिला पोलिटेक्नीक संस्थान।

इकाई – तृतीय

स्वतंत्रता के बाद राजस्थान के शहीद। जल संरक्षण आंदोलन। राजस्थान में सूचना का अधिकार एव प्रगति। राजस्थान की आर्थिक प्रगति की समीक्षा।

संदर्भ ग्रंथ :

विभिन्न पत्र–पत्रिकाएँ, सरकारी प्रतिवेदन आदि।

21/9/2011

Asstt. Registrar (Acad.-I)
University of Rajasthan
JAIPUR